विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना ने वैश्विक साझेदारी के साथ दिखाई समुद्री ताकत

नई दिल्ली, 18 फरवरी (हि. स.)। भारत ने 1971 के युद्ध में जिस जगह में पाकिस्तान की पनडुब्बी गाजी को डुबो दिया था, वहीं एक बार फिर इतिहास की गूंज सुनाई दी। विशाखापत्तनम के उसी ऐतिहासिक किनारे पर बुधवार को भारतीय नौसेना ने अपनी समुद्री ताकत, व्यावसायिकता और वैश्विक साझेदारी का प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू को देखा और भरोसा जताया कि इस फ्लीट रिव्यू में शामिल सभी नौसेनाएं मिलकर समुद्रों को दुनिया भर के विकास, खुशहाली और पूरी भलाई के रास्ते के तौर पर आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के लिए देशों के बीच एकता, भरोसा और सम्मान दिखाता है। समुद्रों के साथ भारत का रिश्ता गहरा और हमेशा रहने वाला रहा है। सदियों से ये समुद्र भारत के लिए कॉमर्स, कनेक्शन और कल्चरल लेन–देन के रास्ते रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र समेत इंटरनेशनल रिश्तों को लेकर भारत का नजरिया 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'दुनिया एक परिवार है' की हमारी सोच को दिखाता है। उन्होंने सभी भारतीयों की ओर से मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नाविकों को बधाई देते हुए कहा कि आप अपनी सेवाओं से अपने देशों की सबसे अच्छी परंपराओं को दिखाते हैं।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह भारत में किया गया तीसरा इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू है। आज हमने इस समुद्री समीक्षा में 70 से ज्यादा प्लेटफॉर्म्स को हिस्सा लेते देखा है, जिसमें 18 दूसरे देशों के 19 जहाजों के साथ ही भारतीय तटरक्षक बल और शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जहाज शामिल हैं। इस साल भारत के फ्लीट रिव्यू में पहली बार देसी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत हिस्सा ले रहा है। हमने मोबाइल कॉलम में देसी कलवरी–क्लास सबमरीन को भी हिस्सा लेते देखा है। इसके अलावा भारत में डिजाइन और बनाए गए हमारे कई प्लेटफॉर्म्स ने हिस्सा लिया है, जिनमें डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट, एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट, सर्वे वेसल और डाइविंग सपोर्ट वेसल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि फ्लाईपास्ट के जरिये नौसेना की हवाई ताकत का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें फाइटर, ट्रेनर, हेलीकॉप्टर और लंबी दूरी के मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट रहे। इन सभी ने इस बार इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लिया है। कैप्टन मधवाल ने बताया कि विशाखापत्तनम में तीन बड़े कार्यक्रम इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू, बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास 'मिलन' और नौसेना प्रमुखों के कॉन्क्लेव के साथ भारत ऐतिहासिक समुद्री मेलजोल का एक अहम हिस्सा बन रहा है। इन कार्यक्रमों में 72 देशों के करीब 72 प्रतिनिधिमंडल हिस्सा ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने की स्पेन के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय वार्ता, परस्पर संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर जोर

नई दिल्ली, 18 फ़रवरी (हि. स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन से इतर स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज से द्विपक्षीय वार्ता की। इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और स्पेन के बीच सहयोग को अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने आए स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज से प्रधानमंत्री मोदी ने इस समिट से इतर यहां द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को और गहरा करने के लिए कई मुद्दों पर व्यापक बातचीत की।

उन्होंने कहा कि बैठक में दोनों नेताओं के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, नवाचार, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन पर क्रियान्वयन, और शिक्षा जैसे तमाम मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेन के राष्ट्रपति सांचेज को भारत–यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को मजबूती देने के लिए उनका लगातार सहयोग देने के लिए सराहना की।

उल्लेखनीय है कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर विश्व के चौथे शिखर सम्मेलन में भाग लेने आज सुबह भारत पहुंचे हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने हवाई अड्डे पर उनकी स्वागत किया।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! **punjab national bank** ...the name you can BANK upon !

ए आर एम बी, डिब्रूगढ़, पि एन बि भवन, पहली मंजिल, आर के बी पथ, डिब्रूगढ़-786001, मोबाइल- 9430085357, ई-मेल: cs8221@pnb.bank.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9(1) / 8(6) के शर्त के साथ पठित वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलाम बिक्री सूचना।

आम जनता और विशेष रुप से उधारकर्ताओं और गारंटीकर्ताओं को सूचना दि जाती है कि सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी / प्रभारित नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जिनका रचनात्मक / भौतिक / प्रतीकात्मक कब्जा बैंक / सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया था, उन्हे संबंधित उधारकर्ताओं और गारंटीकर्ताओं से बैंक/सुरक्षित लेनदार की बकाया राशि वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित दिनांक को "जहाँ है जैसा है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" आधार पर बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि जमा नीचे दी गई तालिका में संबंधित संपत्तियों के अनुसार होगी।

सुरक्षित संपत्ति की सूची

क्र. सं	शाखा का नाम खाते का नाम उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं के नाम और पता	गिरवी रखी गई अचल संपत्तियों का विवरण/ मालिक का नाम [संपत्तियो के बंधककर्ताओं]	क) सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत मांग सूचना की तारिख ख) 31.01.2026 तक शुद्ध बकाया राशि ग) सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के तहत कब्जे की तारिख घ) कब्जे की प्रकृति प्रतीकात्मक/ भौतिक/रचनात्मक	क) आरक्षित मूल्य (लाख रुपये में) ख) ईएमडी (ईएमडी जमा करने की अंतिम तारिख) ग) बोली वृद्धि राशि	संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय	ई-नीलाम की तारिख/समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात भार का विवरण
1	**ईटानगर** **मेसर्स अचुम एंटरप्राइज** **(1) मेसर्स अचुम एंटरप्राइज,** जोते गांव, बालिजान, डाकघर: बालिजान, थाना: बालिजान, संगदुपोटा सर्कल, जिला: पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश- 791123 **(2) श्री तेची बिक्रम (मालिक),** पिता- तेची टाट, जोते गांव, बालिजान, डाकघर: बालिजान, थाना: बालिजान, संगदुपोटा सर्कल, जिला- पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश- 791123 **(3) श्रीमती ताई यतार तेची (गारंटर/बंधककर्त्ता),** पति- तेची बिक्रम, जोते गांव, बालिजान, डाकघर: बालिजान, थाना: बालिजान, संगदुपोटा सर्कल, जिला- पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश- 791123	**श्रीमती ताई यातार तेची** के नाम पर जोते गांव, डाकघर और थाना: बालिजान, संगदुपोटा सर्कल, जिला- पापुमपरे, अरुणाचल प्रदेश-791123 में स्थित भूमि कब्ज़ा प्रमाण पत्र (एलपिसि) सं. डीसी/एलएम/एलपीसी-156/10 दिनांक 12.06.2015 द्वारा 33022 वर्ग मीटर माप की जमिन और उस पर निर्माण की पंजीकृत बंधक। **सीमाएँ :- उत्तर:** पुमा नदी, **दक्षिण:** एन. चांगरिंग, **पूर्व:** नबम साहा, **पश्चिम:** ताबा ताडो।	क) 03/12/2024 ख) रु. 27,81,379.49 साथ मे अतिरिक्त ब्याज और लागत ग) 12/02/2025 घ) प्रतीकात्मक	क) रु. 198.45 लाख ख) रु. 19.84 लाख (24.03.2026) ग) रु. 20,000/-	20.02.2026 से 24.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक	25.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक	कुछ नहीं

ई-नीलाम बिक्री के नियम और शर्तें

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन और आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:

1) संपत्तियों की बिक्री "जहाँ है जैसी है" और "जो है जैसी है" और "जो कुछ भी है" आधार पर की जा रही है।
2) यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्ति का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3) अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर दिए गए ई-नीलाम प्लेटफॉर्म के माध्यम से **25.03.2026** को **प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक** बिक्री की जाएगी।
4) बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com और www.pnb.bank.in देखें।

दिनांक: 18.02.2026
स्थान: डिब्रूगढ़

प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

सरफेईसी (SARFAESI) अधिनियम, 2002 के नियम 9(1) / 8(6) के अंतर्गत वैधानिक बिक्री सूचना

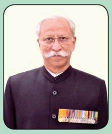

Lt Gen KT Parnaik
PVSM, UYSM, YSM (Retd)
Governor
Arunachal Pradesh

सत्यमेव जयते

LOK BHAVAN
ITANAGAR-791111

MESSAGE

My dear brothers and sisters of Arunachal Pradesh,

On this momentous occasion of our 40th Statehood Day, I extend my warm greetings and good wishes to every citizen of our beloved State Arunachal Pradesh. This day is more than a celebration. It is a tribute to our shared journey, our resilience, and our collective dreams. It reminds us of how far we have come, from the struggles and sacrifices of our forbears to the promise and possibilities of today. Their courage, unity, and determination laid the foundation for the Arunachal Pradesh we proudly call home. Our vision of a Viksit Arunachal is rooted in the well-being of our people and the steady improvement of their quality of life. It is a vision that places citizens at the centre of development, where access to quality education, healthcare, housing, connectivity, and basic civic services raises living standards across urban and rural areas alike.

Over the years, our State has made meaningful progress across sectors, improving human development, strengthening livelihoods, and enhancing the quality of life of our people. These achievements belong to every citizen whose hard work, faith, and perseverance have shaped our growth. As we honour our past, we must also look ahead with confidence, towards a future filled with opportunity, innovation, and inclusive development.

As custodians of this pristine and beautiful land, let us renew our pledge to protect our environment, uphold peace, and deepen the bonds of brotherhood among all communities. Let us empower our youth, encourage self-reliance, and embrace sustainable development so that progress remains balanced and enduring.

We are living in the Amrit Kaal, a defining phase leading to the centenary of India's Independence. This is our golden opportunity to contribute decisively to the transformation of our State and our Nation. Every effort, big or small, matters in realizing the dream of a developed India by 2047.

Let us move forward together, with unity, purpose, and optimism, to build a stronger Arunachal Pradesh and contribute proudly to a prosperous and developed India, a true Viksit Bharat.

Thank you.
Jai Arunachal.
Jai Hind.

Lt Gen KT Parnaik
PVSM, UYSM, YSM (Retd)

DIPR/ARN-0006-0014/2026

CHIEF MINISTER
ARUNACHAL PRADESH

सत्यमेव जयते

MESSAGE

My dear sisters and brothers of Arunachal Pradesh,

On this proud occasion of our 40th Statehood Day, I extend my heartfelt greetings to every citizen of our beloved state.

Forty years ago, on 20th February 1987, Arunachal Pradesh took a historic step forward by becoming a full-fledged state of the Indian Union. That moment was not just a constitutional milestone it was the culmination of dreams, sacrifices and unwavering belief in our collective future.

From the days of NEFA to Union Territory status, and finally to statehood, our journey has been defined by resilience and identity. Today, as the Land of the Rising Sun shines with renewed confidence, we reflect not only on how far we have come, but also on how boldly we are moving ahead.

Over the years, Arunachal Pradesh has transformed from a frontier region into a state brimming with opportunity and aspiration. Our economy is stronger, our connectivity is expanding, and development is reaching even the remotest corners. Roads, bridges, airports and digital networks are no longer distant promises they are becoming everyday realities for our people.

We have strengthened healthcare, expanded educational opportunities, empowered our youth with skills and entrepreneurship, and supported our farmers and entrepreneurs to move from subsistence to prosperity. Our women are emerging as leaders, innovators and partners in progress. Our villages are becoming vibrant and our towns cleaner and more organized.

At the same time, we remain deeply rooted in our culture, traditions and values. Our festivals, languages and community bonds continue to define who we are. Development for us does not mean losing our identity, it means strengthening it.

Arunachal Pradesh today stands at the forefront of India's growth story in the Northeast. With new energy in infrastructure, hydropower, tourism, sports and digital governance, we are preparing ourselves for the next decade of transformation.

But progress is not only about projects and policies. It is about people. It is about the determination of our youth, the wisdom of our elders, the strength of our mothers and sisters, and the dedication of every citizen who contributes to building this state.

As we celebrate 40 years of statehood, let us renew our commitment to unity, peace and inclusive growth. Let us pledge to build an Arunachal that is developed, self-reliant, green and globally competitive - yet proudly rooted in its rich heritage.

The next chapter of Arunachal's story is ours to write. And I am confident that together, with collective effort and shared vision, we will make it the most remarkable chapter yet.

Happy 40th Statehood Day.
Jai Hind! Jai Arunachal!

(Pema Khandu)

DIPR/ARN-0082-0090/2025